प्रबोधिनी

कक्षा 9 (हिंदी)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति

पुस्तक – प्रबोधिनी (हिंदी) कक्षा–9

संयोजक :– डॉ. नरेन्द्र कुमार पानेरी, व्याख्याता
श्री गोविन्द गुरु राजकीय महाविद्यालय, बाँसवाड़ा

सदस्यगण :– **1.** राकेश कुमार शर्मा, व्याख्याता
श्री सन्त सुन्दरदास राजकीय महाविद्यालय, दौसा

2. कमल किशोर शर्मा, व्याख्याता
राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, भरतपुर

3. महेश चन्द्र शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक
राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय,
कुण्ड गेट, सावर, अजमेर

4. मिश्रीलाल प्रजापति, सचिव,
आदर्श शिक्षण संस्थान, जोधपुर

5. श्रीमती यशोदा दशोरा, प्रधानाध्यापिका
राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय,
प्रतापनगर , उदयपुर

आभार

सम्पादक मंडल एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर उन सभी लेखकों का आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त करता है जिनके अमूल्य सृजन एवं विचार इस पुस्तक में सम्मिलित किये गये हैं।

यद्यपि इस पुस्तक में मुद्रित समस्त सामग्री का स्वत्वाधिकार का ध्यान रखा गया है फिर भी यदि कुछ अंश रह गये हों तो यह सम्पादक मंडल इसके लिए खेद व्यक्त करता है। ऐसे स्वत्वाधिकारी से सूचित होने पर हमें प्रसन्नता होगी।

पाठ्यक्रम समिति

पुस्तक – प्रबोधिनी (हिंदी) कक्षा–9

संयोजक – डॉ. आशीष सिसोदिया, सहायक आचार्य
हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

सदस्य –

1. डॉ. दीपिका विजयवर्गीय, व्याख्याता
राजकीय स्नातकोत्तर महिला कॉलेज, चौमूं जिला–जयपुर

2. डॉ. नवीन नन्दवाना, सहायक आचार्य हिन्दी विभाग
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

3. श्री संजय कुमार शर्मा
डाइट , हनुमानगढ़

4. श्री रमाशंकर शर्मा, व्याख्याता
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धौलपुर

5. श्री अशोक कुमार शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रलावता, अजमेर

6. श्री महेश चन्द्र शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक
राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, कुण्डगेट,
सावर, अजमेर

अभीष्ट

'प्रबोधिनी' माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान हेतु कक्षा नवमीं के हिन्दी विषय हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप तैयार की गई है। 'हिन्दी भाषा' अपने सामर्थ्य में वृद्धि करते हुए विश्व में सम्पर्क भाषा के रूप मे तीव्रता से प्रसारित हो रही है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक है कि अपने प्रदेश के विद्यालयों के विद्यार्थी हिन्दी भाषा के व्यवहार में विशेष दक्षता अर्जित करें। भाषा के साथ पुस्तक में संकलित विषय–वस्तु के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मबल, त्याग, बलिदान, निःस्वार्थ सेवा, जीव–दया के साथ राष्ट्र भक्ति की भावना पुष्ट करने का प्रयास किया गया है।

साहित्य जीवन को दिशा प्रदान करता है। इसी आधार पर सरस एवं सरल विषय–वस्तु के प्रतिनिधि लेखकों और कवियों की रचनाओं के उन अंशों को संकलित किया गया है, जो विद्यार्थियों को सचेष्ट कर समाज और राष्ट्र के नवोन्मेष हेतु अभीष्ट कर्म–पथ पर अग्रसर कर सकें। विषय–वस्तु एवं भाषायी शिक्षण के साथ शिक्षक की अभिप्रेरणा की व्यापक सम्भावना इस पुस्तक में है। सामयिक सन्दर्भों में संस्कृति और मानवीय मूल्यों से सम्पन्न व्यक्तित्व के विकास की दृष्टि से पुस्तक उपादेय सिद्ध होगी।

प्रस्तुत संकलन में गद्य–पद्य भाग इस तरह से संजोए गए है कि पठन सामग्री समग्रभावेन हिन्दी साहित्य का लघु चित्रण प्रत्यक्ष कर सके।

गद्य साहित्य की प्रचलित अधिकांश विधाओं से सम्बद्ध अध्यायों का संकलन कर साहित्य की विविध विधाओं की सामान्य जानकारी परोक्ष रूप से उपलब्ध करायी गयी है। काव्य खण्ड में कालक्रम से प्रमुख कवियों के काव्यांशों के माध्यम से प्रवृत्ति बोध एवं कवि की विशिष्टताओं को अभिव्यंजित कर विद्यार्थियों को साहित्य के आनन्दमय अभिप्रेरित स्वरूप के प्रति आकृष्ट किया गया है।

हमारा प्रयत्न रहा है कि पुस्तक के पाठ निर्दोष बनें, फिर भी मानवीय दुर्बलता वश कुछ दोष सुविज्ञ शिक्षकों एवं जिज्ञासु विद्यार्थियों के ध्यान में आयें तो उनका परामर्श सहर्ष अनुकरणीय एवं स्वागत योग्य रहेगा।

'प्रबोधिनी' में संकलित सभी रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों में सर्वांगीण अभीष्ट के पल्लवन हेतु यह पाठ्य पुस्तक प्रस्तुत है।

सम्पादक मण्डल

हिंदी पाठ्यक्रम

विषय कोड : 01

समय 3.15 घंटे **पूर्णांक : 100**

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	05
रचना	15
व्यावहारिक व्याकरण	15
पाठ्यपुस्तक– प्रबोधिनी	65

खण्ड–1

अपठित बोध **05 अंक**

(क) अपठित गद्यांश 2½

(ख) अपठित पद्यांश 2½

खण्ड–2

रचना **15 अंक**

निबन्ध लेखन 10

पत्र लेखन (प्रार्थना पत्र, शिकायती पत्र, पारिवारिक पत्र, संवेदना पत्र) 05

खण्ड–3

व्यावहारिक व्याकरण **15 अंक**

संज्ञा, सर्वनाम 02

संधि, उपसर्ग, प्रत्यय 05

पर्यायवाची, विलोम शब्द 02

शब्द शुद्धि 02

वर्ण विचार एवं आक्षरिक खंड 02

लिंग, वचन 02

खण्ड–4

पाठ्यपुस्तक–प्रबोधिनी **65 अंक**

(क) 1 व्याख्या गद्य भाग से (विकल्प सहित) 08

(ख) 1 व्याख्या पद्य भाग से (विकल्प सहित) 08

(ग) 2 निबन्धात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से विकल्प सहित) $2 \times 5 = 10$

(घ) 6 लघूत्तरात्मक प्रश्न (3 गद्य एवं 3 पद्य भाग से) 6 x 3=18

(ड) 4 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 गद्य एवं 2 पद्य भाग से) 4 x 2=8

(च) किन्हीं दो रचनाकारों का परिचय (कवि एवं लेखक) 2 x 4=8

(छ) सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित दो प्रश्न 05
(पहला दो अंक तथा दूसरा तीन अंक)

निर्धारित पुस्तक :

प्रबोधिनी – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

DIKSHA ऐप कैसे डाउनलोड करें ?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउजर पे **diksha.gov.in/app** टाइप करें।
विकल्प 2 : अपने एंड्रइड मोबाइल के Google Playstore पर Diksha NCTE खोजे और ''डाउनलोड'' बटन को दबा कर app को Install करें।

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल पाठ्य सामग्री कैसे प्राप्त करें

DIKSHA ऐप लॉन्च करें | ऐप अनुमतियों को स्वीकारें | उपयुक्त उपयोगकर्ता प्रोफाइल का चयन करें

पाठ्य पुस्तकों में QR कोड स्कैन करने के लिए DIKSHA ऐप में दिए गए QR कोड आइकॉन को टेप करें।

डिवाइस को QR कोड की दिशा में इंगित करें और QR कोड के ऊपर केंद्रित करें।

सफल स्कैन पर, QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री सूचीबद्ध है।

कम्प्यूटर पर DIAL कोड का उपयोग कर डिजिटल पाठ्य सामग्री कैसे प्राप्त करें

1 पाठ्यपुस्तक में QR के नीचे 6 अंकों का एक कोड रहता है जिसे DIAL कोड कहते हैं।

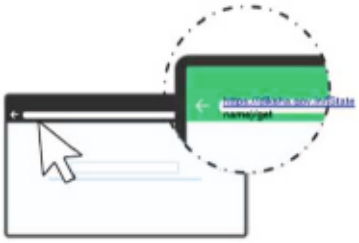

2 ब्राउजर पर diksha.gov.in/rj/get टाइप करें।

3 सर्च बार में 6 अंकों का DIAL कोड टाइप करें।

4 सभी उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूची देखिए और किसी भी नए पाठ्य सामग्री को क्लिक करें और देखे।

राज्य के अधिकारियों और शिक्षकों के संवर्ग ने तकनीकी नवाचार को एक वास्तविकता बनाने के लिए बहुत प्रयास किए है। कुछ मूल्यवान योगदानकर्ताओं के नाम इस QR कोड के साथ प्रदान किए गए है। योगदानकर्ताओं की सूची देखने हेतु उपयुक्त निर्देशों का प्रयोग करते हुए इस QR कोड स्कैन करें।